साप्ताहिक
युवा प्रदेश
Freedom Of Speech
RNI. NO. MPHIN/2015/76299
संपादक-नागेश नरवरिया
YP24 NEWS
जिले एवं तहसीलों में संवाददाता नियुक्त करना है संपर्क करें ...
संपर्क करे- 9425156055
वर्ष-10 अंक-05 www.yuvapradesh.in भोपाल, शुक्रवार 20 मार्च 2026 ypnews24@gmail.com पृष्ठ-08 मूल्य 2 रूपये

IT Act, 2000- आपका मैसेज कब भड़काऊ संदेश की श्रेणी में आ जाता है, जानिए

स्मार्टफोन अब हर व्यक्ति के हाथ में होता है, जो एक कंप्यूटर डिवाइस है और सोशल साइट जैसे व्हाट्सएप, फेसबुक, इंस्टाग्राम, ट्विटर आदि के कारण न केवल वह समाज से जुड़ा रहता है बल्कि पलक झपकते ही हजारों लोगों को एक साथ मैसेज भी कर सकता है। कई बार लोग अपनी भावनाओं को ऐसे शब्दों में बयां कर देते हैं, जिसे भड़काऊ संदेश की श्रेणी में लिया जाता है और आप कानूनी कार्रवाई का शिकार हो जाते हैं। आइए जानते हैं, इंटरनेट पर शब्दों की कानूनी मर्यादा क्या होती है: सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 की धारा 66 (क) की परिभाषा

कोई भी व्यक्ति स्मार्टफोन या किसी भी प्रकार के कम्प्यूटर साधन या अन्य किसी इलैक्ट्रोनिक सूचना के साधन द्वारा अत्यधिक आक्रामक या धमकाने वाली सूचना भेजेगा या कोई झूठी सूचना जानते हुए कि उस सूचना द्वारा किसी प्रकार की क्षति, असुविधा, खतरा, रुकावट, अपमान, आपराधिक अभित्रास,शत्रुता, घृणा या भेदभाव फैलाने के प्रयोजन के लिए लागातार संदेश, सूचना भेजता है, वह व्यक्ति अधिनियम की धारा 66(क) के अंतर्गत दोषी होगा।

विशेष नोट: श्रेया सिंघल बनाम भारत संघ,2015- मामले में उच्चतम न्यायालय द्वारा यह अभिनिर्धारित किया कि यह धारा तब तक प्रभावी नहीं होगी जब तक भारतीय दण्ड संहिता के तहत अपराध का समावेश नहीं होगा अर्थात जब तक मानहानि, गालीगलौज वाले संदेश, धमकी वाले संदेश का होना व्यक्ति विशेष से संबंधित होना चाहिए। क्योंकि वाक् एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार प्रत्येक नागरिकों को प्राप्त है वह अपनी बातों जो सोशल मीडिया पर शेयर कर सकते हैं लेकिन आपराधिक उद्देश्य के लिए नहीं एवं व्यक्तिगत दोष नहीं होना चाहिए।

सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 की धारा 66 (क) के अंतर्गत दण्ड का प्रावधान यह अपराध समझोता योग्य है उसी न्यायालय द्वारा जहाँ अपराध का विचारण है एवं यह संज्ञेय एवं जमानतीय अपराध हैं। सजा- इस अपराध के लिए अधिकतम तीन वर्ष की कारावास और जुर्माना से दण्डित किया जा सकता है।

लेखक एडवोकेट बी. आर. अहिरवार
(विधिक सलाहकार नर्मदापुरम)
9827737665

रक्षा बलों के लिए विजन 2047 जारी किया भविष्य के लिए तैयार भारतीय सेना का रोडमैप

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्य प्रदेश

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने को नई दिल्ली के साउथ ब्लॉक में आयोजित एक कार्यक्रम में %रक्षा बल विजन 2047¬ भविष्य के लिए तैयार भारतीय सेना का रोडमैप% जारी किया। यह व्यापक खाका एकीकृत रक्षा स्टाफ मुख्यालय द्वारा तैयार किया गया है, जिसका उद्देश्य रक्षा बलों को एक आधुनिक, एकीकृत और तकनीकी रूप से उन्नत सेना में बदलना है, जो 2047 तक भारत के विकसित भारत बनने की आकांक्षा का समर्थन करने में सक्षम हो। इस विज़न दस्तावेज़ में भू-रणनीतिक, तकनीकी और सुरक्षा संबंधी बदलते परिवेश से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए रक्षा बलों के भीतर आवश्यक रणनीतिक सुधारों, क्षमता संवर्धनों और संगठनात्मक परिवर्तनों की रूपरेखा प्रस्तुत की गई है। इसमें सैन्य बल को एक एकीकृत, बहु-क्षेत्रीय और चुस्त बल में परिवर्तित करने की परिकल्पना की गई है, जो तेजी से बदलती वैश्विक और क्षेत्रीय परिस्थितियों के बीच शत्रुओं को रोकने, संघर्ष के सभी पहलुओं पर प्रतिक्रिया देने और विस्तारित रणनीतिक हितों की रक्षा करने में सक्षम हो। इस दृष्टिकोण का एक प्रमुख स्तंभ सभी सेनाओं के बीच संयुक्तता और तालमेल पर जोर देना है, जिससे योजना, संचालन और क्षमता विकास में बेहतर समन्वय को बढ़ावा मिले। दस्तावेज़ में भविष्य की युद्ध चुनौतियों के अनुकूल बल बनाने के लिए नवाचार, उन्नत प्रौद्योगिकियों और आधुनिक प्रशिक्षण ढांचे के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया है। रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता एक अन्य प्रमुख फोकस क्षेत्र है, जिसके तहत देश की विशिष्ट सुरक्षा आवश्यकताओं के अनुरूप स्वदेशी प्रौद्योगिकियों और समाधानों के विकास और अपनाने को प्रोत्साहित किया जाता है। घरेलू रक्षा विनिर्माण और तकनीकी क्षमताओं को मजबूत करने से परिचालन तत्परता में वृद्धि होने के साथ-साथ राष्ट्रीय विकास में भी योगदान मिलने की उम्मीद है। इस विज़न दस्तावेज़ में अल्पकालिक, मध्यमकालिक और दीर्घकालिक समयसीमाओं में स्पष्ट रूप से प्राथमिकता निर्धारित क्षमता लक्ष्यों के साथ एक सुनियोजित रोडमैप अपनाया गया है। यह संरचित दृष्टिकोण विश्व स्तरीय रक्षा बल के निर्माण के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण सैन्य क्षमताओं, संस्थागत सुधारों और रणनीतिक साझेदारियों के विकास का मार्गदर्शन करेगा।भविष्य की सुरक्षा चुनौतियों की जटिलता को पहचानते हुए, इस दूरदृष्टि दस्तावेज में राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सैन्य शक्ति को कूटनीतिक, तकनीकी और आर्थिक शक्ति के साथ एकीकृत करते हुए एक समग्र राष्ट्रव्यापी दृष्टिकोण की आवश्यकता पर बल दिया गया है। निरंतर सुधारों, नवाचार और राष्ट्रीय प्रतिबद्धता के माध्यम से, इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि भारत की स्वतंत्रता की शताब्दी तक, देश की सेना विश्व स्तर पर सम्मानित, तकनीकी रूप से उन्नत और युद्ध के लिए तैयार सेना के रूप में स्थापित हो, जो एक मजबूत और लचीले विकसित भारत में योगदान दे।

MP Police Regulation- पुलिस अधिकारी को कहाँ पदस्थ नहीं किया जा सकता है, जानिए

पुलिस दल के सदस्य का प्राथमिक कर्तव्य है अपराध को रोकना एवं स्थानीय नागरिकों को सुरक्षा करना। इसी उद्देश्य को पूरा करने के लिए पुलिस अधिकारियों की नियुक्ति की जाती है एवं इनके संबंध में पुलिस एक्ट, 1861 की धारा 6 के अंतर्गत कोई भी राज्य नियम, विनियम बना सकते हैं।

महत्वपूर्ण वाद - चंद्र प्रकाश तिवारी बनाम शकुंतला शुक्ला मे न्यायालय द्वारा कहा गया है कि इस धारा के अंतर्गत बनाये गए नियम विधान के अंग ही माने जाएंगे, इसी प्रकार मध्यप्रदेश राज्य पुलिस विनियम भी एक विधान का अंग हैं। सवाल यह है कि किसी पुलिस अधिकारी को उसके निजी स्थान में पदस्थ किया जा सकता है या नहीं जानते हैं।

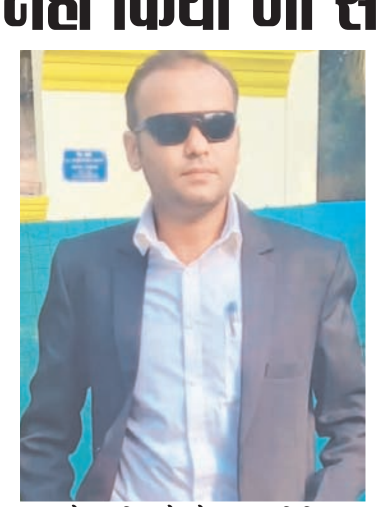

मध्यप्रदेश पुलिस रेगुलेशन का विनियम क्रमांक 63 की परिभाषाः

भर्ती होने वाले प्रत्येक पुलिस अधिकारी से उक्त नियम द्वारा यह अपेक्षा की जाती है कि वह किसी भी प्रकार की अचल संपत्ति जो चाहे संयुक्त परिवार में हो या उसके अलग अधिकार में हो उसकी स्थिति, विस्तार क्षेत्र एवं मूल्य की जानकारी सही सही दे।

किसी भी पुलिस अधिकारी को उस क्षेत्र में पदस्थ नहीं किया जाएगा जिसमे उसका परिवार संपत्ति धारण करता हो या उसका परिवार उस क्षेत्र में कोई व्यापार करता हो।

अर्थात हम कह सकते हैं कि किसी पुलिस अधिकारी को उसके निजी स्थान में पदस्थ कर देना मध्यप्रदेश पुलिस विनियम क्रमांक 63 का वैधानिक उल्लंघन मना जाएगा।

लेखक एडवोकेट बी. आर. अहिरवार
(विधिक सलाहकार नर्मदापुरम)
9827737665

तेज रफ्तार कार ट्रैक्टर को पीछे मारी टक्कर, 2 की हुई मौत, 2 घायल अस्पताल में भर्ती

कुमार अनूप गुप्ता ब्यूरो चीफ अनूपपुर

अनूपपुर । जिले के कोतमा थाना क्षेत्र के राष्टीय राजमार्ग 43 में सलीम ढाबा के पास के गुरूवार की रात्रि 8 बजे सामने से ट्रैक्टर ट्राली में 4 ड्रम डीजल भर कर जा रहा था तभी पीछे से आ रही तेज रफ्तार कार क्रमांक सीजी 07 एम 1454 ने टक्कर मार दी जिससे कार सवार महिला और चालक की मौके पर ही मुत्यु हो गई। कार में बैठे दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गये। वहीं ट्रैक्टर ट्राली सहित खेत में चला गया गया। पुलिस ने दोनों वाहनों सहित डीजल को जप्त कर विवेचना में जुट गई है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार रात्रि 8 बजे शहडोल से मनेंद्रगढ़ जा रही थी तेज रफ्तार कार ने सामने से जा रहें ट्रैक्टर के पीछे जा घुसी जिससे कार में सवार 4 लोगों में चालक 40 वर्षीय दुलारे शर्मा एवं गीता पनिका की मौके पर ही मुत्यु हो गई। वहीं दो घायलों में 64 वर्षीय हरिशंकर चतुर्वेदी एवं 33 वर्षीय मीना देवांगन सभी निवासी मनेंद्रगढ़ छत्तीसगढ़ बताये जा रहें हैं को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोतमा में भर्ती कराया गया जहां से प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को जिला चिकित्सालय अनूपपुर के लिए रेफर कर दिया गया। चालक बहुत देर तक स्टेरिंग में ही फंसा रहा, जिसे काफी मशक्कत के बाद निकाला गया। इस दौरान दोनो तरफ से कुछ देर के लिए जाम लग गया, पुलिस ने स्थिति को सम्हलते हुए वाहनों की आवाजाही शुरू कराई।

'जल गंगा संवर्धन अभियान' का जिले में 19 मार्च से शुभारंभ

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्य प्रदेश

जल संरचनाओं के संरक्षण एवं संवर्धन के उद्देश्य से ÷जल गंगा संवर्धन अभियान÷ का जिले में 19 मार्च से शुभारंभ किया जाएगा। इस अभियान को जनसहभागिता के माध्यम से प्रभावी एवं परिणाममुखी बनाया जाए। अभियान के अंतर्गत पुरानी जल संरचनाओं के जीर्णोद्धार एवं मरम्मत के साथ-साथ रिचार्ज पिट एवं रेन वाटर हार्वेस्टिंग जैसे कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी। इसके साथ ही जिले की जीवन दायिनी नदियों बाह्या, कोलांस सहित अन्य बडे जल स्त्रोतों के जल संरक्षण के लिए संवर्धन एवं जीर्णोद्धार की विस्तृत कार्य योजना तैयार करें।यह निर्देश कलेक्टर कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने आयोजित समय-सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक के दौरान जल गंगा संवर्धन अभियान से जुड़े विभागों के अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि जिले के सभी नगरीय निकायों एवं ग्राम पंचायतों में जल संरक्षण से संबंधित कार्य करवाएं। उन्होंने शासकीय कार्यालयों में रूफ वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम का निर्माण, पुरानी बावड़ियों की मरम्मत कर उन्हें पुनः उपयोग में लाने, तथा पुराने जल स्त्रोतों के संरक्षण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वयंसेवी संस्थाओं, सामाजिक संगठनों तथा आमजन को अभियान से जोड़कर व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित की जाए, जिससे जल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़े और अभियान के सकारात्मक परिणाम सामने आएं। कलेक्टर ने सभी नगर निगम एवं जिला पंचायत सीईओ को निर्देश दिए कि ग्रीष्म ऋतु में पेयजल व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दिया जाए और पानी की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल समस्या की जानकारी मिलने पर पीएचई एवं जनपद अधिकारी तत्काल मौके पर पहुंचकर समाधान सुनिश्चित करें।कलेक्टर ने जिले में एचपीवी टीकाकरण की प्रगति की समीक्षा की। कम प्रगति पर उन्होंने महिला एवं बाल विकास, स्वास्थ्य तथा शिक्षा विभाग को संयुक्त रूप से शिविर आयोजित कर 14 वर्ष की सभी बालिकाओं का टीकाकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही जिला शिक्षा अधिकारी को जिले के सभी शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के प्राचार्यों की स्वास्थ्य विभाग के साथ संयुक्त बैठक कर टीकाकरण संबंधी जागरूकता अभियान चलाकर अभिभावकों को बताया जाए कि एचपीवी टीका कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से बचाने में सहायक है। इसके बाद अभिभावकों की सहमति लेकर टीकाकरण किया जाए। कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा करते हुए सभी विभागों से शिकायतों की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने 100 दिवस एवं 50 दिवस से लंबित शिकायतों का शीघ्र निराकरण कर ग्रेड सुधारने के निर्देश दिए। साथ ही संकल्प से समाधान अभियान के अंतर्गत आयोजित क्लस्टर स्तरीय शिविरों में प्राप्त शिकायतों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने कहा कि किसी भी आवेदक की समस्या लंबित नहीं रहनी चाहिए तथा सभी शिकायतों की ऐप पर अनिवार्य रूप से एंट्री की जाए।कलेक्टर ने समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन के लिए किसानों के पंजीयन की जानकारी ली तथा अधिकारियों को निर्देश दिए कि पंजीकृत किसानों का सत्यापन समय पर किया जाए। उन्होंने कहा कि सभी खरीदी केंद्रों पर बारदान, तौल कांटा सहित आवश्यक व्यवस्थाएं शीघ्र पूर्ण कर ली जाएं।

प्रेम के जुनून में मां की हत्या: 20 मिनट तक गला घोंटकर उतारा मौत के घाट, फिर प्रेमिका को किया कॉल तो मिली रेलवे ट्रैक पर फेंकने की सलाह

कुमार अनूप गुप्ता ब्यूरो चीफ अनूपपुर

शहडोल/ अनूपपुर। एमपी के शहडोल में रिश्तों को झकझोर देने वाली एक खौफनाक वारदात सामने आई है, जहां एक बेटे ने अपनी ही मां की गला घोंटकर हत्या कर दी। वजह, प्रेम संबंधों का विरोध थी। हैरानी की बात ये है कि हत्या के बाद आरोपी ने अपनी प्रेमिका को फोन कर पूरी कहानी सुनाई, जिसका ऑडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और मामले की जांच जारी है। घटना अमलाई थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर 13, राजेंद्र सिंह कॉलोनी की है। आरोपी संजय कोरी ने अपनी मां कुसुम कोरी की देर रात उस वक्त हत्या कर दी, जब वह गहरी नींद में थी। बताया जा रहा है कि मां लगातार बेटे के अवैध संबंधों का विरोध करती थी, जिसको लेकर घर में आए दिन विवाद होता था, घटना वाली रात भी इसी बात को लेकर कहासुनी हुई और गुस्से में आकर बेटे ने अपनी मां का गला दबा दिया।

मामले का सबसे खौफनाक पहलू हत्या के बाद सामने आया, आरोपी ने अपनी प्रेमिका को फोन कर बताया कि उसने पहले करीब 20 मिनट तक मां का गला दबाया, जिससे वह बेहोश हो गई। उसे लगा कि मां मर चुकी है, लेकिन जब उसने पानी के छींटे मारे तो मां होश में आ गई और चिल्लाने लगी। इसके बाद आरोपी ने दोबारा गला दबाकर उसे मौत के घाट उतार दिया। फोन पर हुई बातचीत में प्रेमिका आरोपी को शव को रेलवे ट्रैक पर रखकर इसे हादसा दिखाने की सलाह देती रही। हालांकि आरोपी ने यह कहते हुए मना कर दिया कि वह यह काम अकेले नहीं कर सकता। बातचीत में प्रेमिका बार-बार खुद को बचाने और अपना नाम न लेने की हिदायत देती रही। यहां तक कि इस वारदात को शराब के नशे में किया गया कृत्य बताने की बात भी सामने आई।

यह भी पढ़ें: कलयुगी मां ने ममता को किया शर्मसार- कृषि विभाग की बाबू ने मासूम बेटी को फेंका था ट्रेन के सामने, हालत गंभीर

घटना की जानकारी मिलते ही इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की और कुछ ही घंटों में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। वायरल ऑडियो को भी जांच में शामिल कर लिया गया है।

एल पी जी की कालाबाजारी एवं अवैध परिवहन को रोकने वाहनों का चलाया विशेष जांच अभियान

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्य प्रदेश

कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह के आदेश अनुसार एलपीजी की कालाबाजारी एवं उसके अवैध परिवहन को रोकने के लिए अनुभाग बैरसिया की राजस्व विभाग, बैरसिया अनुभाग की पुलिस टीम, जिला परिवहन अधिकारी की टीम द्वारा वाहनों का विशेष जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान लगभग 200 वाहनों की जांच की गई, जिनमें से कुल 54 वाहनों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई करते हुए 93 हजार 200 का प्रशमन शुल्क वसूल किया तथा तीन बसों के फिटनेस को निरस्त करने की कार्रवाई जिला परिवहन अधिकारी द्वारा की गई।बिना रॉयल्टी के खनिज का परिवहन करने पर दो डंपरों को थाना गुनगा में आगामी कार्रवाई के लिए जप्त कर खड़ा किया गया है।वाहन चालकों को अधिक रफ्तार से गाड़ी ना चलाने, दुपहिया वाहनों में दो से अधिक सवारी न बिठाने तथा हेलमेट पहनकर ही वाहन चलाने के लिए, सीट बेल्ट पहनकर वाहन चलाने के

भोपाल में दुग्ध उत्पादन बढ़ाने एवं पशुपालकों की आय में वृद्धि के उद्देश्य से क्षीर धारा योजना संचालित

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्य प्रदेश

भोपाल।जिले में दुग्ध उत्पादन बढ़ाने एवं पशुपालकों की आय में वृद्धि के उद्देश्य से संचालित ÷क्षीर धारा योजना÷ के अंतर्गत जिले के 76 ग्रामों का चयन किया गया है। इस योजना के माध्यम से चयनित ग्रामों को विकसित कर ÷क्षीर धारा ग्राम÷ के रूप में स्थापित किया जाएगा।उप संचालक पशुपालन अभिजीत शुक्ला ने बताया कि क्षीर धारा ग्राम योजना के तहत जिले के चयनित ग्रामों में पशुओं की नस्ल सुधार, पशु स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करना, संतुलित पशु आहार एवं पोषण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। साथ ही पशुपालकों को आधुनिक दुग्ध उत्पादन तकनीकों से अवगत कराते हुए उन्हें प्रोत्साहित किया जाएगा, जिससे दूध उत्पादन में वृद्धि हो सके। योजना का मुख्य उद्देश्य ग्राम स्तर पर दुग्ध उत्पादन बढ़ाना तथा पशुपालकों की आर्थिक स्थिति को मजबूत करना है। इसके माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में पशुपालन को लाभकारी व्यवसाय के रूप में विकसित किया जाएगा।योजना के अंतर्गत जिले के सभी ग्रामों को चरणबद्ध तरीके से आगामी 3 वर्षों में ÷क्षीर धारा ग्राम÷ के रूप में विकसित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उपलब्धि के आधार पर ग्रामों का वर्गीकरण किया जाएगा, जिसमें 70 प्रतिशत से अधिक उपलब्धि वाले ग्रामों को प्रथम श्रेणी, 50 से 70 प्रतिशत उपलब्धि वाले ग्रामों को द्वितीय श्रेणी तथा 50 प्रतिशत से कम उपलब्धि वाले ग्रामों को तृतीय श्रेणी में रखा जाएगा। प्रथम वर्ष की कार्य योजना में चयनित ग्रामों में पशुओं का उच्च नस्ल से गर्भधारण, शत-प्रतिशत टीकाकरण एवं ट्रैगिंग का लक्ष्य सुनिश्चित किया गया है। उच्च नस्ल से गर्भधारण के लक्ष्य हेतु निकृष्ट सांडो का बधियाकरण, बॉझ निवारण शिविरों का आयोजन किया जाए। हरे चारे के उत्पादन के लिए किसानों को प्रेरित किया जाएगा। साथ ही चारा बीज की मिनीकिट भी वितरित की जाएगी। जिला प्रशासन एवं पशुपालन विभाग द्वारा योजना के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु आवश्यक कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है। इस योजना से जिले में दुग्ध उत्पादन में वृद्धि होने के साथ ही पशुपालकों की आय में सुधार होगा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

11 साल की होनहार छात्रा अंकिता ने मेहनत और लगन से हासिल की नवोदय विद्यालय में सफलता

राजू राय संभागीय संवाददाता

शहडोल/जयसिंहनगर - ग्राम कुदरी की होनहार छात्रा अंकिता देवी अहिरवार (उम्र 11 वर्ष) ने अपनी मेहनत और लगन से एक बड़ी सफलता हासिल की है। अंकिता का चयन वर्ष 2026 की जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा में हुआ है। इस उपलब्धि से उनके परिवार, विद्यालय और पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है।

आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) जिला अध्यक्ष कैलाश कुमार अहिरवार

अंकिता वर्तमान में डी.पी. पब्लिक स्कूल, कुदरी की छात्रा हैं। उन्होंने प्रारंभ से ही पढ़ाई में विशेष रुचि दिखाई और अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए लगातार मेहनत की। उनकी इसी लगन और समर्पण के परिणामस्वरूप उन्हें यह महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है।

माता-पिता और शिक्षकों का सहयोग

अंकिता के पिता रामकृपाल अहिरवार एवं माता गीता अहिरवार ने अपनी बेटी की इस सफलता पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें अपनी बेटी पर गर्व है। अंकिता की इस सफलता में उनके शिक्षक चमबोर रैदास जी की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही है, जिन्होंने उन्हें निरंतर मार्गदर्शन और विशेष सहयोग प्रदान किया।

आजाद समाज पार्टी की ओर से बधाई

इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर आजाद समाज पार्टी जिला (कांशीराम) अध्यक्ष कैलाश कुमार अहिरवार ने हर्ष व्यक्त करते हुए अंकिता और उनके पूरे परिवार को ढेर सारी बधाइयां दी हैं। जिला अध्यक्ष कैलाश कुमार अहिरवार ने अपने संदेश में कहा ÷बिटिया अंकिता की यह सफलता केवल उनके परिवार की नहीं, बल्कि हमारे पूरे समाज और क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है। एक छोटे से गांव से निकलकर अपनी प्रतिभा के दम पर नवोदय विद्यालय में स्थान बनाना अंकिता के उज्ज्वल भविष्य का संकेत है। मैं अंकिता के माता-पिता और उनके शिक्षकों को भी नमन करता हूँ जिन्होंने सही मार्गदर्शन देकर समाज की इस प्रतिभा को निखारा। मेरी ओर से अंकिता को बहुत-बहुत आशीर्वाद और उनके सुखद एवं स्वर्णिम भविष्य के लिए ढेरों मंगलकामनाएं। अंकिता इसी तरह आगे बढ़ें और समाज का नाम रोशन करें।÷ सरपंच श्रीमती चंद्रवती सिंह ने दी बधाई और उज्ज्वल भविष्य की कामना की ग्राम पंचायत कुदरी की सरपंच श्रीमती चंद्रवती सिंह ने अंकिता की इस शानदार उपलब्धि पर हर्ष जताते हुए इसे पूरे गांव के लिए एक ऐतिहासिक पल बताया। उन्होंने कहा कि अंकिता ने यह साबित कर दिया है कि यदि इरादे मजबूत हों, तो संसाधनों की कमी कभी आड़े नहीं आती। सरपंच श्रीमती चंद्रवती सिंह ने अपने ने कहा ÷अंकिता की सफलता ने हमारे ग्राम पंचायत का मान बढ़ाया है। एक ग्रामीण परिवेश से निकलकर नवोदय विद्यालय जैसी प्रतिष्ठित संस्थान में जगह बनाना कड़ी मेहनत का प्रमाण है। मैं बिटिया अंकिता के उज्ज्वल भविष्य की कामना करती हूँ और पंचायत की ओर से उन्हें हर संभव सहयोग का आश्वासन देती हूँ। अंकिता जैसी बेटियाँ हमारे समाज की असली शक्ति हैं, जो अन्य बच्चों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनेंगी। मैं उनके माता-पिता और गुरुजनों को भी इस गौरवशाली उपलब्धि पर हृदय से बधाई देती हूँ।

भविष्य के लक्ष्य: अंकिता का कहना है कि अब उनका अगला लक्ष्य नवोदय विद्यालय में उत्कृष्ट प्रदर्शन करना है। वह विज्ञान, गणित और अंग्रेजी पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं ताकि भविष्य की प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन कर सकें और उन बच्चों के लिए प्रेरणा बन सकें जो बड़े सपने देखते हैं।

रायसेन के युवा अभिनेता हरिसेवक अहिरवार निभाएंगे कार्यक्रम समन्वयक की भूमिका

हल्केवीर सूर्यवंशी संभागीय संवाददाता

भोपाल। रंगमंच और कला प्रेमियों के लिए राजधानी भोपाल में 26 से 29 मार्च तक चार दिवसीय भव्य ÷इंडिमून्स आर्ट्स फेस्टिवल÷ का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन रवीन्द्र भवन स्थित हंसध्वनि ऑडिटोरियम में होगा, जहां देश के ख्याति प्राप्त कलाकार अपनी प्रस्तुतियां देंगे। खास बात यह है कि इस पूरे कार्यक्रम के समन्वय की जिम्मेदारी रायसेन जिले के युवा अभिनेता हरिसेवक अहिरवार निभाएंगे। फेस्टिवल के पहले दिन 26 मार्च को ÷चक्रव्यूह÷ का मंचन होगा, जिसमें डॉ. नितीश भारद्वाज भगवान कृष्ण के रूप में नजर आएंगे। 27 मार्च को मशहूर अभिनेता राकेश बेदी अपने चर्चित मोनोलॉग ÷मसाज÷ के जरिए 24 किरदारों को अकेले मंच पर जीवंत करेंगे। 28 मार्च को विजय तेंदुलकर के प्रसिद्ध नाटक ÷घासीराम कोतवाल÷ का मंचन होगा,

जिसमें संजय मिश्रा अपनी दमदार अभिनय शैली से दर्शकों को प्रभावित करेंगे। वहीं 29 मार्च को ÷एक मुलाकात÷ नाटक के जरिए शेखर सुमन और गीतिका त्यागी मंच पर एक खूबसूरत प्रेम कहानी प्रस्तुत करेंगे। इस आयोजन में देश के कई प्रसिद्ध कलाकार जैसे डॉ. नितीश भारद्वाज, राकेश बेदी, संजय मिश्रा, शेखर सुमन और गीतिका त्यागी अपनी प्रस्तुति देंगे, जिससे यह फेस्टिवल और भी खास बन जाता है। इस आयोजन का उद्देश्य केवल मनोरंजन ही नहीं, बल्कि युवाओं को रंगमंच और कला के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना भी है। कार्यक्रम समन्वयक हरिसेवक अहिरवार ने कहा– ÷थिएटर वर्कशॉप और उत्सव केवल कार्यक्रम नहीं होते, बल्कि वे नए कहानीकारों और कलाकारों के जन्मस्थल बनते हैं। इनके माध्यम से नई पीढ़ी को अपनी भावनाओं और विचारों को अभिव्यक्त करने का मंच मिलता है, साथ ही अपने हुनर को निखारने और विकसित करने का अवसर भी मिलता है। उन्होंने बताया कि इस तरह के आयोजनों से छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं को भी बड़ा मंच मिलता है, जिससे वे अपनी प्रतिभा को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिला सकते हैं। चार दिनों तक चलने वाले इस कला उत्सव में नाटक, अभिनय, संवाद और रचनात्मक अभिव्यक्ति का अनूठा संगम देखने को मिलेगा, जो भोपाल के सांस्कृतिक माहौल को नई ऊर्जा देगा।

मध्यप्रदेश पुलिस के तीन बड़े अधिकारी से महिला अध्यक्ष ने मुलाकात की

पत्रकार बीआर अहिरवार भोपाल।।

तपस्या नारी सेवा समिति ट्रस्ट की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती ऋषिदा ठाकुर जी ने मंगलवार को महिला सुरक्षा एवं महिलाओं पर हो रहे अत्याचार को रोकने और प्रत्येक थानों में पारिवारिक विवादो को निपटाने के लिए पुलिस विभाग को सहयोग करने के संबंध में डीजीपी श्री कैलाश मकवाना,PSO श्री अजीत कपूर एवं महिला अपराध शाखा मध्यप्रदेश पुलिस आईजी किरण मेम से मुलाकात की इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती ऋषिदा ठाकुर तपस्या नारी सेवा समिति की मध्यप्रदेश टीम प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट बीआर अहिरवार, पवन कुमार अहिरवार एवं अन्य सदस्य मौजूद रहे ।

65-B प्रमाण पत्र के बिना कॉल विवरण अभिलेख साक्ष्य नहीं - उच्चतम न्यायालय ने हत्या के आरोपी को किया बरी

नई दिल्ली।

Supreme Court of India ने एक महत्वपूर्ण निर्णय में कहा है कि कॉल विवरण अभिलेख (सीडीआर) को तब तक साक्ष्य के रूप में स्वीकार नहीं किया जा सकता जब तक उसके साथ भारतीय साक्ष्य अधिनियम की धारा 65-B के तहत आवश्यक प्रमाण पत्र प्रस्तुत न किया गया हो। इसी आधार पर न्यायालय ने हत्या के एक मामले में दोषी ठहराए गए आरोपी को बरी कर दिया।

न्यायमूर्ति Vikram Nath, न्यायमूर्ति Sandeep Mehta और न्यायमूर्ति N. V. Anjaria की पीठ ने यह निर्णय सुनाते हुए कहा कि धारा 65-क के तहत प्रमाण पत्र इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य की स्वीकार्यता के लिए अनिवार्य है। इसके अभाव में कॉल विवरण अभिलेख को साक्ष्य के रूप में मान्य नहीं माना जा सकता। न्यायालय ने इस टिप्पणी के साथ Rajasthan High Court के उस निर्णय को निरस्त कर दिया जिसमें आरोपी की दोषसिद्धि को बरकरार रखा गया था।

मामले का विवरण

यह मामला वर्ष 2010 में एक महिला की हत्या से जुड़ा है। अभियोजन पक्ष का आरोप था कि मृतका के पति ने आरोपी पूरनमल के साथ मिलकर हत्या की साजिश रची थी। इस साजिश को साबित करने के लिए अभियोजन पक्ष ने कॉल विवरण अभिलेख पर भरोसा किया था, जिसमें घटना के समय दोनों आरोपियों के बीच बार-बार दूरभाष संपर्क होने की बात सामने आई थी।

हालांकि आरोपी ने इन इलेक्ट्रॉनिक अभिलेखों की स्वीकार्यता को चुनौती देते

हुए कहा कि अभियोजन पक्ष धारा 65-B(4) के तहत आवश्यक प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने में असफल रहा है।

न्यायालय ने अपने निर्णय में Arjun Panditrao Khotkar v. Kailash Kushanrao Gorantyal तथा Anvar P.V. v. P.K. Basheer मामलों का हवाला देते हुए कहा कि इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य को स्वीकार्य बनाने के लिए धारा 65-क्र का प्रमाण पत्र अनिवार्य है और इसकी जगह मौखिक गवाही नहीं दी जा सकती।

बरामदगी और वैज्ञानिक परीक्षण रिपोर्ट पर भी प्रश्न अदालत ने आरोपी के घर से कथित रूप से बरामद 46,000 रुपये की राशि पर भी संदेह जताया- न्यायालय में गिनती के समय यह राशि 46,145 रुपये निकली, जिससे बरामदगी की विश्वसनीयता पर प्रश्न खड़े हो गए/ इसके अतिरिक्त आरोपी से बरामद खून से सनी कमीज़ की वैज्ञानिक प्रयोगशाला रिपोर्ट को भी न्यायालय ने अविश्वसनीय माना, क्योंकि अभियोजन पक्ष जब्त वस्तुओं की सुरक्षा और देखरेख की पूरी कड़ी सिद्ध नहीं कर सका।

परिस्थितिजन्य साक्ष्य पर टिप्पणी

न्यायालय ने Sharad Birdhichand Sarda v. State of Maharashtra मामले का उल्लेख करते हुए कहा कि परिस्थितिजन्य साक्ष्य के मामलों में ऐसी पूर्ण श्रृंखला स्थापित होना आवश्यक है जो केवल आरोपी के अपराध की ओर ही संकेत करे। इस मामले में अभियोजन पक्ष ऐसी श्रृंखला स्थापित करने में असफल रहा।

अंतिम आदेश: इन परिस्थितियों को देखते हुए उच्चतम न्यायालय ने निचली अदालत और राजस्थान उच्च न्यायालय के निर्णयों को निरस्त करते हुए आरोपी पूरनमल को सभी आरोपों से बरी कर दिया और निर्देश दिया कि यदि वह किसी अन्य मामले में वांछित न हो तो उसे तुरंत रिहा किया जाए।

प्रकरण शीर्षक

पूरनमल बनाम राजस्थान राज्य एवं अन्य

एसपी के निर्देश पर जिला बदर की कार्रवाई शुरू

पत्रकार अमित शुक्ला पर जानलेवा हमला दो आरोपी गिरफ्तार, भेजे गए जेल, 4 आरोपी फरार

कुमार अनूप गुप्ता ब्यूरो चीफ अनूपपुर

अनूपपुर। जिले के पत्रकार अमित शुक्ला पर हुए जानलेवा हमले ने न केवल पत्रकारिता जगत बल्कि आमजन में भी चिंता उत्पन्न की है। यह घटना इस बात की गंभीर याद दिलाती है कि समाज के चौथे स्तंभ की सुरक्षा सुनिश्चित करना कितना आवश्यक है। जिसके बाद राष्ट्रीय श्रमजीवी पत्रकार परिषद के जिलाध्यक्ष एवं अधिमान्य पत्रकार अमित शुक्ला पर अपराधिक तत्वोंद द्वारा जानलेवा हमला किये जाने पर पत्रकारों द्वारा को कोतवाली निरीक्षक अरविंद जैन से मुलाकात कर आरोपियों के खिलाफ सख्तक एवं त्वरित कार्रवाई की मांग की गई थी। मामले की गंभीरता को समझते हुए कोतवाली निरीक्षक अरविंद जैन ने तत्परता और जिम्मेदारी का परिचय दिया। उन्होने तत्काकल पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान को घटना की जानकारी से अवगत कराते हुए उनके निर्देशन पर कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने तेजी दिखाते हुए आरोपी शिब्बू पटेल, मुकेश पटेल, गंगाराम पटेल एवं अनीश पटेल सहित अन्य आरोपियों के खिलाफ धारा 119(1), 296 बी, 115(2), 351(2), 3(5) बीएनएस के तहत मामला दर्ज करते हुये शिब्बूट पटेल एवं मुकेश पटेल को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हे जेल भेज दिया गया।

कोतवाली निरीक्षक अरविंद जैन ने बताया कि पत्रकार अमित कुमार शुक्ला निवासी चेतना नगर, अनूपपुर के साथ भी आरोपियों ने मारपीट और अवैध उगाही का प्रयास किया। इस संबंध में अपराध क्रमांक 175/26 दर्ज किया गया। पत्रकार अमित कुमार शुक्ला

निवासी चेतना नगर अनूपपुर के साथ सभी आरोपियों ने अवैध उगाही के उद्देश्य से धमकी देते हुए मारपीट की गई थी। इसके पूर्व उसी दिन रात लगभग 8 बजे फरियादी अभिजीत सिंह पिता चारधाम सिंह उम्र 34 वर्ष के साथ उक्त आरोपियों द्वारा अमरकंटक तिराहे पर अवैध वसूली के लिये भी मारपीट की गई। जिस पर अलग से भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं में केस दर्ज किया गया है। कोतवाली निरीक्षक अरविंद जैन ने बताया कि घटना को अंजाम देने वाले सभी आरोपियों के खिलाफ पहले भी मारपीट, गाली-गलौज, धमकी और मारपीट किये जाने के कई मामले दर्ज है। जिसके बाद पुलिस अधीक्षक ने इनके आपराधिक रिकॉर्ड को देखते हुए जिला बदर की कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

यह घटना जहां एक ओर पत्रकारों की सुरक्षा पर सवाल खड़े करती है, वहीं पुलिस की तत्परता और निष्पक्ष कार्रवाई भरोसा भी जगाती है। आवश्यकता है कि ऐसे मामलों में और भी सख्ती बरती जाए ताकि पत्रकार निडर होकर अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर सकें और समाज में कानून का राज कायम रहे।

आजाद समाज पार्टी ने मनाया स्थापना दिवस और मान्यवर कांशीराम की जयंती

राजू राय संभागीय संवाददाता

जयसिंहनगर (शहडोल)- जनपद पंचायत जयसिंहनगर के अंतर्गत ग्राम पंचायत कुबरा में रविवार को आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) का छठा स्थापना दिवस और बहुजन समाज के जननायक मान्यवर कांशीराम साहब की 92वीं जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई।

यह कार्यक्रम जयसिंहनगर ब्लॉक के मौहारटोला स्थित %डॉ. भीमराव अंबेडकर ऑनलाइन सीएससी सेंटर% में आयोजित किया गया, जिसकी अध्यक्षता आजाद समाज पार्टी के जिला अध्यक्ष कैलाश कुमार अहिरवार ने की।

महापुरुषों के विचारों पर चलने का संकल्प

कार्यक्रम के दौरान जिला अध्यक्ष कैलाश कुमार अहिरवार ने उपस्थित कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि मान्यवर कांशीराम साहब ने बहुजन समाज को सत्ता की दहलीज तक पहुँचाने के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया। आज पार्टी के स्थापना दिवस पर हम सभी को उनके संघर्षों से प्रेरणा लेकर समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय पहुँचाने का संकल्प लेना चाहिए।

कार्यकर्ता रहे उपस्थित

समारोह में भीम आर्मी और आजाद समाज पार्टी के पदाधिकारियों ने कांशीराम साहब के तैल चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया।

इस अवसर पर मुख्य रूप से निम्नलिखित सदस्य उपस्थित रहे-

गोलू बौद्ध (ब्लॉक संयोजक, जयसिंहनगर)

बाबू भाई बौद्ध (ब्लॉक सचिव)

अन्य गणमान्य- पूरन अहिरवार, मिथलेश रैदास, रामटहल अहिरवार, रामसिया अहिरवार, रामसेवक रविदास, सुनील अहिरवार, मनोज अहिरवार, रविकांत अहिरवार, सपना रविदास एवं सागर रविदास।

कार्यक्रम के अंत में सभी कार्यकर्ताओं ने पार्टी की मजबूती और सामाजिक परिवर्तन के लिए एकजुट होकर कार्य करने की शपथ ली।

भाजपा राजनगर मंडल अध्यक्ष के निर्णय भाजपा के कार्यकर्ताओं के लिए भस्मासुरी न हो साबित

राजू राय संभागीय संवाददाता

अनूपपुर/शहडोल -भाजपा राजनगर मण्डल का एक दौर था जब पूरे जिले में राजनगर मंडल संगठन के कार्यो को लेकर सबसे अव्वल रहा करता था।बूथ से लेकर संगठन स्तरीय कार्यक्रम हो या किसी कार्यक्रम की सहभागिता को लीड करना हो राजनगर मण्डल हमेशा आगे रहता था। लेकिन जैसे ही मण्डल अध्यक्ष का बदलाव हुआ वैसे ही राजनगर मण्डल पूरे जिले में फिसड्डी होता चला गया। राजनगर मंडल अध्यक्ष की एकला चलो की नीति भाजपा को गर्त में धकेलना का काम कर रही है, जिसकी वजह से पार्टी कार्यकर्ताओं में फुट एवं निराशा का संचार हुआ है एवं पार्टी कार्यकर्ता धीरे-धीरे पार्टी से दूरी बनाने लगे हैं। जिसका असर आने वाले नगरीय निकाय चुनाव एवं विधानसभा चुनाव में दिखेगा सूत्रों के अनुसार अगर पार्टी हाई कमान ऐसे मंडल अध्यक्ष को तानाशाही करने की छूट देकर रखेगी तो आने वाले समय में पार्टी को कार्यकर्ताओं की कमी भी झेलनी पड़ेगी क्योंकि वर्तमान मंडल अध्यक्ष द्वारा पार्टी कार्यकर्ताओं को तवज्जो नहीं दिया जाता है। जिससे पार्टी कार्यकर्ता पार्टी के कार्यक्रमों से दूरी बनाने लगे हैं।

कार्यकारिणी गठन में डेढ़ साल का लगा समय, जिले में सबसे फिसड्डी

वैसे तो पहले भाजपा मंडल में राजनगर मंडल संगठन के कार्यों में अव्वल रहा करता था लेकिन जैसे ही नए मंडल अध्यक्ष का चयन हुआ उसके बाद पार्टी

कार्यकर्ताओं का संगठनात्मक कार्यों में दिलचस्पी न लेना मंडल अध्यक्ष की नाकामी का उदाहरण है मंडल अध्यक्ष का चयन हुए डेढ़ साल बीत जाने के बावजूद पार्टी के कार्यकारिणी का गठन नहीं किया जा सका था जबकि वहीं पाषाण मंडल के अध्यक्ष चयन होते ही कार्यकारिणी का सफलतापूर्वक गठन कर लिया गया। जिससे राजनगर मंडल के भाजपा कार्यकर्ताओं में पार्टी के कार्यों के प्रति उदासीनता साफ देखी जा रही है सूत्रों के अनुसार पार्टी कार्यकर्ताओं का कहना है कि पार्टी के वर्तमान अध्यक्ष एकला चलो नीति का अनुसरण करते हैं और पार्टी के समर्पित कार्यकर्ताओं को नजरअंदाज किया जाता है

शासकीय कर्मचारी और गैर मीडिया कर्मी को बनाया मीडिया प्रभारी

वैसे तो राजनगर मंडल नए मंडल अध्यक्ष बनने के बाद से ही निष्क्रिय से नजर आ रही थी लेकिन खबरों के लगातार प्रशासन के बाद मंडल अध्यक्ष द्वारा अपनी कार्यकारिणी का गठन तो कर लिया गया लेकिन इस पर भी भारी भी संगति देखने को मिली है जो कार्यकर्ता पार्टी के लिए तन मन धन से समर्पित रहता था ऐसे कार्यकर्ताओं को पार्टी पर उचित पद ना दिया जाना समर्पित कार्यकर्ताओं की की निष्ठा को ठेस पहुंचाने जैसा कार्य है मंडल अध्यक्ष द्वारा अपनी कार्यकारिणी में मीडिया प्रभारी के रूप में जिनका चयन किया गया है वह एक तरफ सास की कर्मचारी हैं और दूसरी तरफ शासकीय कर्मचारी होने के कारण पत्रकारिता से दूर-दूर तक कोई संबंध नहीं है उसके बावजूद ऐसे शख्स को मीडिया प्रभारी बनाना पार्टी की संगठनात्मक गतिविधियों पर सवालिया निशान खड़ा करता है। अब देखना यह होगा कि भाजपा जिला अध्यक्ष द्वारा इस भूल को सुधार किया जाता है या फिर एकला चलो की नीति को संरक्षण दिया जाएगा

कार्यकारिणी के गठन होते ही इस्तीफो का दौर हुआ शुरू: नवीन मंडल अध्यक्ष बनते ही भाजपा की संघटनात्मक कार्य प्रणाली धीमी गति से कार्य करने लगी लगातार खबरों के प्रकाशन के बाद मंडल अध्यक्ष द्वारा डेढ़ साल बाद कार्यकारिणी का गठन तो कर लिया गया लेकिन पार्टी के कर्मठ कार्यकर्ताओं को कार्यकारिणी में गठन न दिए जाने की वजह से कार्यकारिणी के गठन के बाद ही इस्तीफा का सिलसिला चल पड़ा था अगर इसी तरह से मंडल अध्यक्ष द्वारा पार्टी के कार्यकर्ताओं को नजरअंदाज और पद से वंचित रखा जाएगा। तो आने

भीम आर्मी रायसेन के जिला अध्यक्ष राकेश अंबेडकर के सफलतम कार्यकाल का एक वर्ष पूर्ण

हल्केवीर सूर्यवंशी संभागीय संवाददाता

रायसेन। रायसेन जिले के लिए यह बेहद गर्व और हर्ष का विषय है कि भीम आर्मी भारत एकता मिशन के लिए समर्पित, कर्मठ और जुझारू ओर जिला अध्यक्ष राकेश अंबेडकर ने अपने पद की सफलता में एक साल पूरा कर लिया है। उनके इस एक वर्ष के कार्यकाल में संगठन को नई ऊर्जा, स्थान और दिशा मिली है, जो उनके पर्याप्त प्रयास, विश्वसनीयता और पैमाने का प्रमाण है। राकेश ने वर्ष 2018 से भीम आर्मी के अपने प्रति सक्रिय व्यक्ति बने रहने के लिए एक सहयोगी सिपाही की तरह काम किया है। रायसेन जिले के प्रथम होने वाले सदस्य से लेकर जिला प्रभारी और फिर जिला अध्यक्ष तक की उनकी यात्रा, संघर्षऔर नेतृत्व क्षमता का उत्कृष्ट उदाहरण है। उनके नेतृत्व वाले संगठन ने सामाजिक न्याय, लोकतांत्रिक और संवैधानिक नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का काम किया है। उनकी सकारात्मक सोच, टीम भावना और विचारधारा के प्रति सम्मान ने संगठन को एक मजबूत परिवार के रूप में स्थापित करती है। वे हमेशा जमीनी स्तर पर काम करते हुए समाज के अंतिम व्यक्ति तक अपनी पहुंच बनाए रखते हैं, जो उन्हें एक लोकप्रिय और मजबूत नेता बनाते हैं। सभी कार्यकर्ता एवं शुभचिंतक उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं और आशा करते हैं कि आने वाले समय में भी वे इसी तरह के संगठन को नए शिखर तक ले जाएंगे।

अंतर्राष्ट्रीय ठगी गिरोह का भंडाफोड

कुमार अनूप गुप्ता ब्यूरो चीफ अनूपपुर

अनूपपुर। मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले के कोतमा थाना पुलिस ने एक बड़े अंतरराष्ट्रीय साइबर ठगी गिरोह का भंडाफाश किया है, जिसका संचालन दुबई में बैठकर किया जा रहा था। पुलिस ने 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि मुख्य सरगना दुबई में फरार है। उसके खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी करने की प्रक्रिया चल रही है।

थाना प्रभारी निरीक्षक रत्नाम्बर शुक्ल ने बताया कि पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान के निर्देशन में मुंबई से एक मुख्य आरोपी दीपक यादव उर्फ फिलिप को गिरफ्तार किया गया। उसके पास से भारी मात्रा में सामान बरामद हुआ, जिसमें 165 एटीएम कार्ड, 23 सिम कार्ड, 20 पासबुक, 5 चेकबुक, 18 मोबाइल फोन, एक लैपटॉप और एक राउटर शामिल हैं। मामले की शुरुआत ग्राम पड़ोर निवासी दीपक केवट की शिकायत से हुई, जिसमें सरकारी योजनाओं के लाभ के नाम पर बैंक खाते खुलवाकर एटीएम, पासबुक और सिम जब्त करने का आरोप था। जांच में सामने आया कि कोतमा निवासी बादल सोनी उर्फ जिमी और उसके साथी भोले-भाले लोगों के खाते बैंक ऑफ महाराष्ट्र में खुलवाते थे, क्योंकि इस बैंक की एटीएम निकासी लिमिट अधिक होती है। दस्तावेज मुंबई भेजे जाते थे, जहां से दुबई पहुंचकर ऑनलाइन ठगी और अवैध लेन-देन में इस्तेमाल होते थे।

पूछताछ में दीपक यादव उर्फ फिलिप ने खुलासा किया कि वह दुबई में बैठे सरगना हितेश नंदवानी उर्फ सिल्वर ओक्स, विशाल जत्यानी उर्फ विक्की, पंकज सुखनानी और नीतू नंदवानी के निर्देश पर काम करता था। वह रोजाना 10-12 लाख रुपये एटीएम से निकालकर आगे भेजता था। ÷म्यूल अकाउंट÷ (दूसरों के नाम पर खाते) के जरिए यह ठगी होती थी। इस वजह से बैंक ऑफ महाराष्ट्र की भूमिका भी जांच के दायरे में आ गई है। पुलिस ने विशेष टीम गठित कर मुख्य सरगना सहित फरार आरोपियों की गिरफ्तारी और बैंक कर्मचारियों/सहयोगियों की भूमिका की जांच शुरू कर दी है।

नगर परिषद की जेसीबी से उपाध्यक्ष करा रहा है कॉलरी के खदान से अवैध मिट्टी का अवैध खनन, परिवहन

रेलवे स्टेशन में 10 लाख का है ठेका, पार्षदो व स्थानीय लोगो ने जताया विरोध, कार्यवाही की मांग

कुमार अनूप गुप्ता ब्यूरो चीफ अनूपपुर

अनूपपुर/ अमलाई। जिले के अमलाई क्षेत्र में एक बार फिर अवैध उत्खनन का मामला सामने आया है। आरोप है कि कोल इंडिया की खदानों से अवैध रूप से ओवरबर्डन (ऊपरी परत की मिट्टी) निकालकर अमलाई रेलवे स्टेशन में बन रहे प्लेटफॉर्म निर्माण कार्य में डाली जा रही थी। यह काम पिछले दो दिनों से लगातार चल रहा था। इस पूरे मामले में नगर परिषद बरगवां-अमलाई की जेसीबी मशीन लगाए जाने की भी बात सामने आई है, जिससे मामला और गंभीर हो गया है।

स्थानीय लोगों के अनुसार कोल इंडिया की खदानों से बिना अनुमति मिट्टी की निकासी कर उसे ट्रैक्टर और मेटाडोर के माध्यम से रेलवे स्टेशन तक पहुंचाया जा रहा था। बताया जा रहा है कि रेलवे स्टेशन में मिट्टी भराई का करीब 8 से 10 लाख रुपए का ठेका लिया गया है और उसी के तहत यह काम कराया जा रहा था। आरोप है कि यह पूरा कार्य नगर परिषद बरगवां-अमलाई के उपाध्यक्ष राज तिवारी के इशारे पर कराया जा रहा था। जिस पर पार्षद और भाजपा नेता पवन चीनी समेत अन्य भाजपा पार्षदों ने मौके पर पहुंचकर विरोध जताया। पार्षदों का आरोप है कि कोल इंडिया की खदान से चोरी-छिपे ओवरबर्डन मिट्टी निकालकर रेलवे के निर्माण कार्य में डाली जा रही थी, जो पूरी तरह अवैध है।

मौके पर मौजूद जेसीबी चालक राशिद खान पिता मोहम्मद रफीक ने बताया कि उसे जेसीबी लेकर आने और मिट्टी निकालने के लिए कहा गया था। उसने यह भी कहा कि नगर परिषद में इस काम की कोई विधिवत एंट्री नहीं है और न ही अवैध उत्खनन के लिए मशीन दी जाती है। चालक के अनुसार नगर परिषद के उपाध्यक्ष राज तिवारी पहले भी कई बार इसी तरह के काम अनाधिकृत रूप से कराते रहे हैं। घटना की सूचना मिलते ही कोल इंडिया के एरिया सुरक्षा अधिकारी अमित सिंह मौके पर पहुंचे। उनके साथ सोहागपुर एरिया के अन्य सुरक्षा अधिकारी भी पहुंचे और पूरे क्षेत्र का निरीक्षण किया। इसके बाद सर्वे विभाग के अधिकारियों को बुलाया गया, जिन्होंने बताया कि यह पूरा क्षेत्र सुहागपुर एरिया के अंतर्गत आता है, जहां से मिट्टी का अवैध उत्खनन किया जा रहा था। नगर परिषद बरगवां-अमलाई के मुख्य नगर पालिका अधिकारी भूपेंद्र सिंह ने इस मामले में कहा कि उन्हें इस बारे में कोई जानकारी नहीं है। उन्होंने बताया कि ऐसे कार्यों की निगरानी इंजीनियर के माध्यम से होती है और संभव है कि मशीन उसी के द्वारा भेजी गई हो।

वहीं रेलवे विभाग की ओर से निर्माण कार्य की निगरानी करने वाले आईओडब्ल्यू के प्रभारी अरविंद ने भी कहा कि उन्हें इस प्रकार की किसी गतिविधि की जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि यदि कोई ठेकेदार चोरी-छिपे अवैध रूप से कार्य करता पाया गया तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी और ठेका भी निरस्त किया जा सकता है। बताया जा रहा है कि इस काम में दो ट्रैक्टर और एक मेटाडोर भी लगाए गए थे, जो खदान से मिट्टी निकालकर रेलवे स्टेशन तक पहुंचाने का काम कर रहे थे। फिलहाल कोल इंडिया के अधिकारियों द्वारा देवहरा पुलिस थाना में अवैध उत्खनन की शिकायत दर्ज कराने की तैयारी की जा रही है। अब इस पूरे मामले में आगे की कार्रवाई का दारोमदार देवहरा पुलिस पर टिका हुआ है कि वह स्वयं मामला दर्ज करती है या फिर इसे खनिज विभाग को जांच के लिए भेजा जाता है। फिलहाल अवैध उत्खनन के इस मामले ने क्षेत्र में कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए

कटनी में शीघ्र खुलेगा मेडिकल कॉलेजः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

कटनी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राज्य सरकार धरती पुत्र किसान की खुशहाली और विकास के लिए कृत संकल्पित है। राज्य सरकार किसानों और लाड़ली बहनों सहित हर वर्ग के कल्याण के लिए कार्य कर रही है। सरकार ने गांव-गांव तक सिंचाई सुविधा पहुंचाने का संकल्प लिया है। किसानों को सिंचाई के लिए अब दिन में भी बिजली मिलेगी। किसानों की जिंदगी बेहतर बनाने के लिए राज्य सरकार हर कदम पर किसानों के साथ खड़ी है। जरूरतमंदों के बच्चों को अच्छी शिक्षा मिले, इसके लिए प्रदेश में भव्य सांदीपनि विद्यालयों की स्थापना की जा रही है। उन्होंने कहा कि कटनी में शीघ्र ही मे?डिकल कॉलेज खोला जायेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को कटनी जिले के बरही में आयोजित किसान सम्मेलन कृषि महोत्सव को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कृषक कल्याण वर्ष 2026 में कटनी को 1000 करोड़ की सौगात दी एवं जिले के लिए 243 करोड़ रूपये की लागत के 97 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन किया। इसमें नवर्निमित पुल, महाविद्यालय और सांदीपनि विद्यालय भी शामिल हैं। विजयराघवगढ़ के नागरिकों ने निकाले गए भव्य रोड-शो में मुख्यमंत्री डॉ. यादव का आत्मीय स्वागत किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भी अभिवादन कर स्वागत के लिये जनता का आभार माना। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जल गंगा संवर्धन अभियान के

अंतर्गत बड़े तालाब के सौंदर्यीकरण की सौगात दी एवं उन्होंने विभिन्न योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को हितलाभ वितरित किये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्री विजयनाथ धाम सरकार की नगरी बरही में आयोजित किसान सम्मेलन में किसान कल्याण को समर्पित प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया।

चैत्र नवरात्रि की प्रथम दिन पर भव्य कलश यात्रा हिंदू नव वर्ष का आगाज

कुमार अनूप गुप्ता ब्यूरो चीफ अनूपपुर

राजनगर/ अनूपपुर। चैत्र नवरात्रि के शुभ आरंभ होते ही पूरे देश मैं भक्ति का माहौल देखने को मिल रहा है उसी कड़ी में श्री राम जानकी मंदिर राजनगर सीधी सफाई बाजार दफाई मैं भव्य कलश यात्रा करते हुए श्री श्री 1008 श्री राम यज्ञ प्रारंभ हो चुका है कलश यात्रा के दौरान हजारों श्रद्धालु कलश लेकर भजन कीर्तन करते हुए नगर भ्रमण के बाद श्री राम जानकी मंदिर पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया इस इस दौरान नगर के मुख्य चौक चौराहा में सभी भक्तजनों के लिए जलपान की व्यवस्था नगर परिषद बनगवा एवं बनारसी मिष्ठान भंडार द्वारा किया गया नगर परिषद द्वारा कलश यात्रा को ध्यान में रखते हुए सारे रास्तों की सफाई व्यवस्था कराई गई साथ में कलश यात्रा के दौरान नगर परिषद के अध्यक्ष यशवंत सिंह एवं सम्मानित पार्षदगण एवं गणमान्य नागरिक भी इस कलश यात्रा का हिस्सा बनकर नगर भ्रमण किया । कलश यात्रा के दौरान श्री राम लक्ष्मण सीता माता भव्य

झांकी के साथ-साथ मैहर से पधारे हुए संत महात्मा के दर्शन का शुभ अवसर नगर वासियों को मिला श्री राम जानकी मंदिर सीधी सफाई बाजार दफाई कमेटी के मेंबरों का आग्रह है की ज्यादा से ज्यादा श्रद्धालु गण श्री राम जानकी मंदिर में पधारे एवं श्री राम महायज्ञ में शामिल होकर अपने जीवन को कृतार्थ करें।

निःशुल्क नेत्र एवं स्वास्थ्य परीक्षण परामर्श शिविर का हुआ सफल समापन अब 18 मार्च को आनंद नगर में लगेगा शिविर : डॉ. ए. एस. भल्ला

ग्वालियर । आम सर्वहारा वर्ग को सस्ता सुलभ इलाज मिल सके तथा मानव समाज की सेवा की जा सके इसी उद्देश्य को लेकर सहारा हॉस्पिटल सोफिया कॉलेज कैंपस महलगांव सिटी सेंटर ग्वालियर के संचालक सुप्रसिद्ध वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. ए. एस. भल्ला नाक कान गला रोग विशेषज्ञ ग्वालियर द्वारा ग्वालियर चंबल अंचल के दूर दराज शहर जिला ब्लॉक तहसील कस्बा में सहारा हॉस्पिटल की ओर से निःशुल्क नेत्र एवं स्वास्थ्य परीक्षण परामर्श शिविर लगाये जा रहे हैं। इसी कड़ी में गत दिवस 15 मार्च रविवार को ग्वालियर के घाटीगांव ब्लॉक के कस्बा पाटई में निःशुल्क नेत्र एवं स्वास्थ्य परीक्षण परामर्श शिविर लगाया गया जिसमें निःशुल्क ओपीडी में 200 मरीज ने अपनी आंख एवं अन्य बीमारियों को दिखाया शिविर में गंभीर 25 मरीजों ने सहारा हॉस्पिटल आने का पंजीयन कराया तथा 10 मरीजों की आंख में मोतियाबिंद पाया गया। इस प्रकार 35 मरीज सहारा हॉस्पिटल आने के लिए सहमत हुए। सहारा हॉस्पिटल के सुप्रसिद्ध वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. ए. एस. भल्ला शिविरों के माध्यम से समाज सेवा भी कर रहे हैं तथा शिविर की ओपीडी में आने वाले मरीजों को सहारा हॉस्पिटल में निःशुल्क देखा जाता है। ओपीडी चार्ज मुफ्त है। हॉस्पिटल में मरीज एवं उनके अटेंडरों के लिए लंगर के माध्यम से दोनों टाइम निःशुल्क भोजन की व्यवस्था है द्य यह निःशुल्क शिविर सहारा ट्रस्ट एवं सहारा समिति के सौजन्य से लगाये जा रहे हैं जिनसे जनता खूब लाभ उठा रही है।

मेधावी छात्रा अंशिका नामदेव ने बढ़ाया क्षेत्र का मान, जवाहर नवोदय विद्यालय के लिए हुआ चयन

कैलाश कुमार अहिरवार - सह संपादक (युवा प्रदेश)

शहडोल/जयसिंहनगर। विकासखंड जयसिंहनगर के अंतर्गत ग्राम बुधसार (पटेरिया टोला) की 11 वर्षीय होनहार छात्रा अंशिका नामदेव ने अपनी कड़ी मेहनत और लगन से क्षेत्र का नाम रोशन किया है। अंशिका का चयन वर्ष 2026 की जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा में हुआ है, जिससे उनके परिवार और पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर है। अंशिका वर्तमान में एस.वी.एन. कॉन्वेंट हाई स्कूल बनसुकली की छात्रा हैं। उन्होंने प्रारंभ से ही अपनी पढ़ाई के प्रति विशेष रुचि दिखाई और अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए निरंतर परिश्रम किया। उनकी

इसी निष्ठा और समर्पण के परिणामस्वरूप उन्हें यह महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है।

माता-पिता और शिक्षकों ने दी बधाई

अंशिका के पिता श्री अखिलेश नामदेव एवं माता श्रीमती सुलोचना नामदेव ने अपनी बेटी की इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें अपनी बेटी पर गर्व है। साथ ही, विद्यालय परिवार ने भी छात्रा को इस सफलता पर बधाई दी है।

इनका रहा विशेष सहयोगः शिक्षकों के अथक प्रयासों से मिली इस सफलता पर विद्यालय के संचालक श्री राजबहोर तिवारी, सहायक संचालक रामकुमार अहिरवार, प्रधानाध्यापक रमेश यादव, सहायक प्रधानाध्यापक ओमप्रकाश यादव, व्यवस्थापक अभिषेक तिवारी सहित शिक्षक लवकेश सिंह कंवर, हेमकरण सिंह और नवीन शुक्ला ने अंशिका को निरंतर मार्गदर्शन दिया और प्रवेश परीक्षा की तैयारी में विशेष सहयोग किया।

ग्राम पांझ में संत निवास का भूमिपूजन कर निर्यापक मुनि संभवसागर महाराज ससंघ ने किया मंगल विहार, अश्रुपूरित नेत्रों से हुई मुनिसंघ की विदाई

विदिशा। संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागरजी महामुनिराज के परम प्रभावक शिष्य एवं आचार्य श्री समयसागर महाराज के आज्ञानुवर्ती निर्यापक श्रमण मुनि श्री संभवसागर महाराज, मुनि श्री निस्सीमसागर महाराज एवं मुनि श्री संस्कारसागर महाराज के ससंघ सानिध्य में श्री सकल दिगंबर जैन समाज विदिशा के सौजन्य से ग्राम पांझ में संत निवास हेतु भूमिपूजन समारोह संपन्न हुआ।

समिति के प्रवक्ता अविनाश जैन विद्यावाणी ने बताया कि ग्राम पांझ में कमलकुमार जैन द्वारा प्रदत्त 10 हजार वर्गफीट भूमि पर संत निवास निर्माण के लिए भूमिपूजन किया गया। प्रातःकाल मुनिसंघ ने ग्राम पांझ की ओर मंगल विहार किया, जहाँ विधि-विधानपूर्वक भूमिपूजन संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुनि श्री संभवसागर महाराज ने उपस्थित पुण्यार्जकों को आशीर्वाद प्रदान करते हुए कहा कि सागर-विदिशा-भोपाल बायपास मार्ग पर जैन साधुओं का निरंतर आवागमन बना रहता है, इसलिए यहाँ संत निवास का निर्माण अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा। उन्होंने बताया कि कमल जैन सक्षम परिवार द्वारा संत निवास हेतु भूमि समर्पित की गई है तथा श्री सकल दिगंबर जैन समाज विदिशा के सहयोग से शीघ्र ही संत निवास का निर्माण कराया जाएगा। समारोह में अनेक दानदाताओं ने भी अपनी श्रद्धानुसार दान की घोषणाएँ कीं। इस अवसर पर समाज के सभी पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

भूमिपूजन के उपरांत मुनिसंघ की आहारचर्या ओलंपस स्कूल में संपन्न हुई। तत्पश्चात दोपहर की सामायिक के बाद लगभग सायं 5 बजे मुनिसंघ ने मंगल विहार किया।

प्रवक्ता अविनाश जैन विद्यावाणी ने बताया कि निर्यापक मुनि श्री संभवसागर महाराज ससंघ गंजबासौदा में चातुर्मास के उपरांत 28 अक्टूबर को विदिशा पधारे थे। लगभग 4 माह 22 दिन तक विदिशा में उनके मंगल प्रवास के दौरान नगर में व्यापक धर्मप्रभावना हुई।

तेरे होने के निशान हैं मेरे इस जहान में
हर दम तेरे वजूद ने चलना सिखाया हैं
गुलामी की कीचड़ से निकालकर।
हुकूमत की कुर्सी तक ले जाने वाले।
महान समाज सुधारक और भारतीय राजनीतिक क्रांति के अग्रदूत व दलित , वंचित , शोषितो के मसीहा , बाबा साहेब अम्बेडकर जी की विचारधारा को जिंदा करने वाले मान्यवर कांशीराम साहब जी की जन्म जयंती पर सादर नमन एवं विनम्र श्रद्धांजलि

युवाछात्र संघ का कॉलेज चलो अभियान
उपस्थिति, अनुशासन और ज्ञान का आह्वान

कु.प्रियंका जाटव
[लेखिकाः सामाजिक कार्यकर्ता विचारक-चिंतक]

आज के समय में उच्च शिक्षा की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि महाविद्यालयों में स्नातक-स्नातकोत्तर में प्रवेश लेने वाले हजारों विद्यार्थी नियमित रूप से कक्षाओं में उपस्थित ही नहीं होते। स्नातक और स्नातकोत्तर में नामांकन तो हो जाता है, लेकिन शिक्षा की वास्तविक प्रक्रिया-संवाद, अध्ययन, चिंतन और बौद्धिक विकास..कहीं ना कहीं पीछे छूटती जा रही है। यदि आँकड़ों की दृष्टि से देखें, तो स्थिति और भी गंभीर दिखाई देती है। ऑल इंडिया सर्वे ऑन हायर एजुकेशन के अनुसार भारत में उच्च शिक्षा का सकल नामांकन अनुपात (जीईआर) लगभग 28 प्रतिशत है, जबकि मध्यप्रदेश में यह केवल 20-24 प्रतिशत के बीच है अर्थात् राज्य के 100 में से लगभग 75-80 युवा उच्च शिक्षा तक पहुँच ही नहीं पाते। यह केवल पहुँच का संकट नहीं, बल्कि अवसरों की असमानता का भी संकेत है। मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों में युवाछात्र संघ द्वारा किये सर्वे तथा छात्रों से गहन संवाद से यह पता चलता हैं कि जब विद्यार्थी ही नियमित रूप से कॉलेज नहीं जाते, तो अनेक स्थानों पर कक्षाएँ भी नियमित नहीं लग पातीं।परिणामस्वरूप शिक्षा एक जीवंत प्रक्रिया न रहकर औपचारिकता में बदलती जा रही है। अधिकांश शिक्षक भी केवल उपस्थिति दर्ज कराकर दायित्व की पूर्ति तक सीमित हो जाते हैं। यह स्थिति केवल व्यवस्था की नहीं बल्कि सामूहिक निष्क्रियता की देन है। यदि हम शिक्षा की जड़ों को देखें, तो समस्या और गहरी दिखाई देती है...प्राथमिक से माध्यमिक स्तर के बीच लगभग 40-50 प्रतिशत विद्यार्थियों का ड्रॉपआउट, माध्यमिक स्तर पर 16-17 प्रतिशत ड्रॉपआउट दर (यूडीआईएसई प्लस रिपोर्ट) और राज्य में 3.3 लाख से अधिक विद्यार्थियों का स्कूल स्तर पर ही शिक्षा से बाहर हो जाना यह दर्शाता है कि शिक्षा की निरंतरता प्रारंभिक स्तर से ही टूट रही है। जब आधे विद्यार्थी कॉलेज तक पहुँच ही नहीं पाते, तो उच्च शिक्षा की गुणवत्ता प्रभावित होना स्वाभाविक है। जो विद्यार्थी महाविद्यालय तक पहुँचते भी हैं, उनमें से भी बड़ी संख्या निरंतरता बनाए नहीं रख पाती। विभिन्न विश्लेषणों के अनुसार स्नातक स्तर पर 25 प्रतिशत से 40 प्रतिशत विद्यार्थी अपनी पढ़ाई बीच में ही छोड़ देते हैं। इसके साथ ही 75 प्रतिशत उपस्थिति का नियम होने के बावजूद स्नातक-स्नातकोत्तर स्तर पर अधिकांश संस्थानों में इसका प्रभावी पालन नहीं हो रहा है। इसका सीधा अर्थ है कि उच्च शिक्षा में प्रवेश प्राप्त करना अंत नहीं, बल्कि उसमें टिके रहना ही सबसे बड़ी चुनौती बन गया है। वर्तमान समय में एक और चिंताजनक स्थिति यह भी है कि महाविद्यालयों एवं कॉलेजों के पुस्तकालय, जो ज्ञान और चिंतन के केंद्र माने जाते हैं, वे लगभग खाली पड़े रहते हैं। विद्यार्थी पुस्तकालयों में बैठकर अध्ययन करने के बजाय शॉर्ट नोट्स, गाइड और ÷फास्ट-फॉरवर्ड÷ सामग्री पर निर्भर होते जा रहे हैं। इससे न केवल अध्ययन की गहराई समाप्त हो रही है, बल्कि विश्लेषणात्मक सोच और बौद्धिक विकास भी बाधित हो रहा है। यह प्रवृत्ति स्पष्ट रूप से दर्शाती है कि शिक्षा का उद्देश्य ज्ञान से हटकर केवल परीक्षा उत्तीर्ण करने तक सीमित होता जा रहा है। ऐसे में यह प्रश्न अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है कि क्या हम महाविद्यालय केवल डिग्री प्राप्त करने के लिए जा रहे हैं, या वास्तव में ज्ञान अर्जित करने के लिए। शिक्षा का उद्देश्य केवल प्रमाणपत्र प्राप्त करना नहीं, बल्कि विचारों की परिपक्वता, व्यक्तित्व का विकास और समाज के प्रति जिम्मेदारी का बोध विकसित करना है। लेकिन जब विद्यार्थी अपने विषयों की मूल अवधारणाओं तक को स्पष्ट रूप से व्यक्त नहीं कर पाते, जब चार पंक्तियों का एक व्यवस्थित आवेदन तक नहीं लिख पाते, तब यह स्थिति केवल व्यक्तिगत कमजोरी नहीं, बल्कि शिक्षा प्रणाली के लिए एक गंभीर चिंताजनक स्थिति बन जाती है। यह भी उतना ही सत्य है कि यदि कक्षाएँ नियमित नहीं लगतीं, तो इसके लिए केवल विद्यार्थियों को दोष देना उचित नहीं होगा लेकिन यह भी उतना ही आवश्यक है कि विद्यार्थी अपनी जिम्मेदारी से पीछे न हटें। शिक्षा एक सहभागी प्रक्रिया है, जिसमें शिक्षक, विद्यार्थी और व्यवस्था तीनों की सक्रिय भागीदारी अनिवार्य है। इसी संदर्भ में ÷युवाछात्र संघ÷ द्वारा प्रारंभ किया गया ÷कॉलेज चलो अभियान÷ एक अत्यंत महत्वपूर्ण और समयानुकूल पहल है। यह अभियान केवल उपस्थिति बढ़ाने का प्रयास नहीं बल्कि शिक्षा के प्रति जागरूकता, अनुशासन और उत्तरदायित्व को पुनर्जीवित करने का एक सशक्त प्रयास है। इसका मूल संदेश स्पष्ट है कि महाविद्यालय मात्र डिग्री प्राप्त करने का स्थान नहीं बल्कि ज्ञान, विचार और व्यक्तित्व निर्माण का केंद्र है। इस अभियान के माध्यम से विद्यार्थियों को यह समझाने का प्रयास किया जा रहा है कि..नियमित कक्षाओं में बैठना, विषयों को गहराई से समझना, पुस्तकालयों का उपयोग करना और प्रश्न पूछना ही वास्तविक शिक्षा है। साथ ही, यदि किसी महाविद्यालय में कक्षाएँ नियमित रूप से नहीं लग रही हैं, तो विद्यार्थियों का यह नैतिक कर्तव्य होना चाहिए कि वे सजग होकर अपनी आवाज उठाएँ, लिखित आवेदन दें और जवाबदेही सुनिश्चित करें। शिक्षा का अधिकार केवल कागज़ों तक सीमित नहीं रहना चाहिए बल्कि जमीनी स्तर पर उसका प्रभावी क्रियान्वयन होना चाहिए। आज आवश्यकता केवल नीतियां बनाने भर की नहीं बल्कि उनका धरातल पर सुचारु रूप से क्रियान्वयन तथा मानसिकता के परिवर्तन की है। जब तक विद्यार्थी शिक्षा को गंभीरता से नहीं लेंगे, शिक्षक अपने दायित्व को पूर्ण निष्ठा से नहीं निभाएँगे और व्यवस्था प्रभावी निगरानी सुनिश्चित नहीं करेगी, तब तक कोई भी सुधार स्थायी नहीं हो सकता। अतः समय की मांग है कि हम सभी मिलकर यह संकल्प लें कि शिक्षा को उसकी मूल भावना में पुनः स्थापित करेंगे। अनुसूचित जाति-जनजाति युवाछात्र संघ का ÷कॉलेज चलो अभियान÷ इसी दिशा में एक जागृति का दीप है, जो संपूर्ण म.प्र. में यह संदेश देगा-पढ़ेगा विद्यार्थी, तभी बढ़ेगा समाज और यह केवल एक अभियान नहीं बल्कि युवाछात्र संघ का एक सामूहिक संकल्प है।

भ्रष्टाचार पर पर्दा डीजल खर्च की जानकारी देने में नगर पालिका के छूटे पसीने, 41,740 का अवैध शुल्क मांगकर बनाया बहाना

डबरा/ नगर पालिका परिषद डबरा में पारदर्शिता और नियमों को ताक पर रखकर कार्य करने का एक गंभीर मामला सामने आया है। वार्ड क्रमांक 16 की जागरूक पार्षद श्रीमती सुनीता महाराज सिंह राजौरिया द्वारा नगर पालिका के वाहनों के डीजल भुगतान और लॉगबुक के संबंध में मांगी गई जानकारी के जवाब में, प्रशासन ने आरटीआई नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए भारी-भरकम शुल्क की मांग की है।

30 दिन की सीमा समाप्त, फिर भी 41,000 की मांग

पार्षद श्रीमती राजौरिया ने बताया कि उन्होंने 26 जनवरी 2026 को विधिवत आरटीआई आवेदन के माध्यम से डीजल खर्च का ब्यौरा मांगा था। अधिनियम के अनुसार, यह जानकारी 25 फरवरी तक मिलनी अनिवार्य थी। लेकिन नगर पालिका ने जानबूझकर 16 दिन की देरी करते हुए पत्र जारी किया। श्रीमती राजौरिया ने कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा कि ÷RTI अधिनियम की धारा 7(6) के अनुसार, यदि लोक सूचना

अधिकारी निर्धारित 30 दिनों के भीतर सूचना देने में विफल रहता है, तो मांगी गई समस्त जानकारी निशुल्क (Free of Cost) उपलब्ध कराई जानी चाहिए।÷ इसके बावजूद 41,740 रुपये की मांग करना न केवल गैर-कानूनी है, बल्कि लोक धन के दुरुपयोग और भ्रष्टाचार पर पर्दा डालने की एक सोची-समझी साजिश है। हैरानी की बात यह है कि नगर पालिका ने बिंदु क्रमांक 4, 5, 6 और 7 (जिसमें टेंडर प्रक्रिया, अनुबंध और स्टॉक रजिस्टर जैसी महत्वपूर्ण जानकारी शामिल है) के संबंध में स्पष्ट जानकारी देने के बजाय, केवल यह लिखकर पल्ला झाड़ लिया कि ÷जानकारी संकलित की जा रही है।÷ पार्षद का सीधा आरोप है कि डीजल भुगतान और वाहनों की लॉगबुक में बड़े पैमाने पर वित्तीय अनियमितताएं हैं। रिकॉर्ड उपलब्ध होने के बावजूद उसे %संकलन% के नाम पर रोकना अधिकारियों की टालमटोल और बदनियती को दर्शाता है। 41 हजार से अधिक की मांग करना असल में आवेदक को डराने का प्रयास है ताकि कोई भ्रष्टाचार की गहराई तक न पहुंच सके।

इस तानाशाही पूर्ण रवैये के विरुद्ध श्रीमती सुनीता राजौरिया ने प्रथम अपीलीय अधिकारी और जिला कलेक्टर ग्वालियर को शिकायत दर्ज कराने का निर्णय लिया है। उन्होंने मांग की है कि समय सीमा का उल्लंघन करने वाले दोषी अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि अधिनियम के तहत निशुल्क सूचना नहीं दी गई, तो वह राज्य सूचना आयोग और न्यायालय का दरवाजा खटखटाएंगी।

सोखी और सिहनी की खेती

गंगा तट के किनारे एक छोटा सा गांव आनंदपुर था,जहां के लोग अधिकांशतः कृषि पर निर्भर रहते थे। उसी गांव में रवि एक साधारण कृषक था। खेती-बारी ही उसका जीवन था । वह बहुत ही व्यवहार कुशल व्यक्ति था। वह दिन-रात कड़ी मेहनत करके फल,सब्जियां तथा मौसमी फसल उपजाता था। समय-समय पर ऋतु और मौसम के अनुसार वह आम, पपीता,केला,अमरूद,कटहल,खीरा,तरबूजा,आलू,बैगन,टमाटर,गोभी,चना,गेहूं आदि फसल उपजाता। वह खेती कार्य के लिए ही अपने खेत में पानी के लिए डीप बोरिंग करवाया था। फसल बुआई के साथ-साथ उसकी निगरानी , निकाई, जैविक खाद का उपयोग तथा कीट नाशक दवाओं का उपयोग करता था जिस कारण से फसल की उपज अच्छी होती थी।उपजे हुए फल,सब्जियां तथा खाद्य फसलों को बाज़ार में अच्छे मूल्य पर बेचता जिससे उसकी आर्थिक स्थिति अच्छी हो गई थी। वह अपने बच्चों को उच्च शिक्षा के लिए शहर भेज दिया था।

उसी गांव में सोखी और उसकी पत्नी सिहनी रहती थी। सिहनी बहुत ही जलनशील और ईर्ष्यालु महिला थी। वह रवि की मेहनत और तरक्की को देखकर हमेशा जलती थी। पर वह नकलपच्चीसी औरत भी थी। उसने रवि की तरह सोखी को भी खेती करने के लिए कही। सोखी ने भी अपने खेत में डीप बोरिंग करवाया और रवि की तरह खेती करने लगा। जो भी फसल उपजता वह उसे ऑफ सीजन में बेचता जिससे मुनाफा कम होता। इस

भीम कुमार भारत
नगवां,गावां,गिरिडीह,झारखंड

बार सोखी के बागान में केला लगा था। सोखी की पत्नी सिहनी ने केला देखकर बहुत ही हर्षित हुई। झट उसने चाकू लाई और केला को काटकर सोखी को बाज़ार बेचने भेज दी। परंतु इस बार बाज़ार में केले का भाव गिरा हुआ था जिससे मुनाफा कम हुआ। वहीं रवि ने अपने केले को पहले सीजन में ही उच्च दाम पर बेच चुका था।

अनतः सोखी और सिहनी को निराशा ही हाथ लगी। उसे ईर्ष्या,द्वेष,जलन की जगह सच्ची लगन,कड़ी मेहनत और कुशल व्यवहार के साथ-साथ बाज़ार की मांग आदि पर विशेष ध्यान रखने की जरुरत है।

किसान आक्रोश रैली मे दिखी प्रशासन के खिलाफ नाराजगी

जय किसान संगठन की किसान महापंचायत में उमड़ा जनसैलाब, प्रधानमंत्री को भेजा गया पांच सूत्रीय ज्ञापन

छतरपुर । छतरपुर में जय किसान संगठन द्वारा आयोजित किसान महापंचायत में सैकड़ों गांवों के हजारों किसानों का जनसैलाब उमड़ा। नवरात्रि पर्व के बावजूद बड़ी संख्या में लोगों ने कार्यक्रम में भाग लिया, जिसमें महिलाओं की भागीदारी पुरुषों से अधिक रही। कई महिलाएं अपने छोटे-छोटे बच्चों के साथ कार्यक्रम में पहुंचीं। महापंचायत में प्रभावित गांवों के साथ-साथ अन्य गांवों के लोग भी बड़ी संख्या में शामिल हुए। उन्होंने किसानों के साथ हो रहे अन्याय के खिलाफ आक्रोश व्यक्त किया और संघर्ष में साथ देने का संकल्प लिया। मंच से सामाजिक कार्यकर्ता अमित भटनागर ने आक्रामक तेवर दिखाते हुए कहा कि अब ÷याचना नहीं, अब रण होगा।÷ उन्होंने कहा कि यह लड़ाई अब केवल जमीन की नहीं, बल्कि

किसानों के सम्मान और अस्तित्व की लड़ाई बन चुकी है। कार्यक्रम के बाद किसान आक्रोश रैली श्री हरी वाटिका से प्रारंभ होकर देरी रोड तिगड्डा, बिजावर नाका, छत्रसाल चौराहा होते हुए पुलिस अधीक्षक कार्यालय पंहुचा। रैली के दौरान किसानों ने प्रशासन के खिलाफ जोरदार आक्रोश व्यक्त किया और नारे लगाए– जब-जब किसान बोला है, राज सिंहासन डोला है, किसानों के साथ अन्याय नहीं सहेंगे, आदिवासियों के साथ अन्याय नहीं सहेंगे, जमीन ली, जान मत लो, जिला प्रशासन की तानाशाही नहीं चलेगी। रैली के दौरान माहौल पूरी तरह आक्रोशपूर्ण रहा और किसानों ने प्रशासन के खिलाफ खुलकर विरोध दर्ज कराया। पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर एडिशनल एसपी आदित्य पटेल को प्रधानमंत्री के नाम पांच सूत्रीय ज्ञापन सौंपा गया, जिसे अमित भटनागर द्वारा पढ़कर सुनाया गया। ज्ञापन में केन-बेतवा लिंक परियोजना, मझगाय, रुन्झ एवं नैगुवा सिंचाई परियोजनाओं के कारण हो रहे विस्थापन, प्रशासनिक दमन और भू अधिकरण कानून 2013 के उल्लंघन का विस्तार से उल्लेख किया गया। ज्ञापन में कहा गया कि बिना मुआवजा दिए किसानों की फसलें उजाड़ी जा रही हैं, मकान गिराए जा रहे हैं और भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन से जुड़े कानूनों का पालन नहीं किया जा रहा है। प्रधानमंत्री से की गई प्रमुख मांगों में– उच्च स्तरीय जांच समिति का गठन, दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई, किसानों और आदिवासियों के जबरन विस्थापन पर रोक, भू अधिकरण कानून 2013 का पूर्ण पालन, गांव के बदले गांव और विशेष रूप से महिलाओं के लिए पुनर्वास पैकेज शामिल हैं। महापंचायत में कई किसानों ने अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए भावुक हो गए और उनकी आंखों से आंसू छलक पड़े, जिससे विस्थापन का दर्द साफ दिखाई दिया। इस दौरान अमित भटनागर ने पुलिस व्यवस्था पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि एक तरफ पुलिस महिलाओं पर लाठीचार्ज करती है, जबकि दूसरी ओर सट्टा, जुआ और रेत माफियाओं से जुड़े लोगों पर कोई कार्रवाई नहीं होती।

चोर घर के बाहर लगा कूलर चुराकर हुआ फरार, घटना सीसीटीवी में कैद, मामला दर्ज

कुमार अनूप गुप्ता ब्यूरो चीफ अनूपपुर

धनपुरी /शहडोल। जिले के धनपुरी थाना क्षेत्र में सुबह-सुबह एक शातिर चोर कुर्ता-पायजामा पहनकर घर के बाहर लगा कुलर कंधे पर रखकर चंपत हो गया ,पूरी वारदात सीसीटीवी में कैद हो गई है, जिसने सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए है। फिलहाल पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की तलाश में जुटी है। लेकिन इस घटना ने साफ कर दिया है कि अब चोरों की नजर घर के बाहर रखे छोटे-बड़े हर सामान पर है। ऐसे में जरूरी है कि लोग सतर्क रहें, वरना अगला नंबर किसी और का भी हो सकता है।

धनपुरी थाना क्षेत्र के बाजार मोहल्ला, वार्ड क्रमांक 20 स्थित राधा कृष्ण मंदिर के सामने रहने वाले भाजपा नेता मोहन सोनी के घर के बाहर लगा कुलर एक अज्ञात चोर ने सुबह करीब 5 बजे चोरी कर लिया। खास बात यह है कि चोर कुर्ता-पायजामा पहने हुए था और बेहद बेखौफ अंदाज में कूलर को कंधे पर रखकर मौके से फरार हो गया। पूरी वारदात घर के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। फुटेज में साफ देखा जा सकता है कि चोर बिना किसी डर के आता है, कूलर उठाता है और आराम से चलता बनता है। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है और लोग अपने घरों के बाहर रखे सामान को लेकर सतर्क हो गए हैं। पीड़ित मोहन सोनी ने धनपुरी थाने में शिकायत दर्ज कराई है। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। इस संबंध में धनपुरी थाना प्रभारी खेम सिंह पेंद्रो ने बताया कि शिकायत प्राप्त होने के बाद सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया

नगर पालिका बिजुरी ने जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत तालाब सफाई की शुरूवात की-जल संरक्षण का लिया संकल्प

कुमार अनूप गुप्ता ब्यूरो चीफ अनूपपुर

अनूपपुर /बिजुरी। -जल है तो कल है के संकल्प के साथ नगर पालिका बिजुरी द्वारा भावनिया देवी मंदिर तालाब के संरक्षण का शंखनाद किया गया। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के %जल गंगा संवर्धन अभियान 2026% के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष सहबीन पनिका की अगुवाई में जनप्रतिनिधियों और प्रशासन ने जल स्रोतों को पुनर्जीवित करने की शपथ ली। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के तत्वावधान में प्रदेश व्यापी जल गंगा संवर्धन अभियान वर्ष 2026 के अंतर्गत बिजुरी नगर पालिका क्षेत्र में जल स्रोतों के संरक्षण और पुनर्जीवन का कार्य जोर-शोर से प्रारंभ हो गया है। इसी कड़ी में आज बिजुरी स्थित सुप्रसिद्ध भावनिया देवी मंदिर तालाब के तट पर एक विशेष स्वच्छता एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

जनभागीदारी से जल संचय का संकल्प कार्यक्रम के दौरान उपस्थित जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने जनभागीदारी से जल संचय का संकल्प लेते हुए तालाब परिसर की साफ-सफाई की। अभियान का मुख्य उद्देश्य जल स्रोतों जैसे तालाबों, कुओं और बावड़ियों का संरक्षण करना है ताकि भविष्य के लिए जल सुरक्षित रहे। यह रहे मुख्य रूप से उपस्थिति इस अभियान में नगर की प्रथम नागरिक एवं नगर पालिका अध्यक्ष सहबीन पनिका और उपाध्यक्ष प्रीति सतीश शर्मा मुख्य रूप से उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में परिषद के पार्षदों और संगठन के पदाधिकारियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया जिनमें प्रमुख रूप से पार्षद लक्ष्मी शुक्ला, कलावती सिंह एवं सभी वार्डो के पार्षदगण।भाजपा मंडल अध्यक्ष रविंद्र (रिंकू) शर्मा प्रशासनिक एवं स्वच्छता टीम से स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर कैलाश कोल, राजस्व निरीक्षक लखन पनिका, डी. एन. मिश्रा।

स्वच्छता कर्मियों और पत्रकारों का सहयोग

तालाब की स्वच्छता के लिए नगर पालिका के सफाई कर्मचारियों ने कड़ी मेहनत की। इस दौरान स्थानीय पत्रकारगण और मंडल के अन्य पदाधिकारी भी मौजूद रहे जिन्होंने जल संरक्षण के इस संदेश को जन-जन तक पहुँचाने की अपील की।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक नागेश नरवरिया द्वारा जय माता प्रिंटर्स म.नं. 1 अमर दाल मिल के पास पेमदीपुरा चिकलोद रोड के पास बापू कालोनी जहांगीराबाद भोपाल मप्र से मुद्रित एवं म.नं. 51 एक्सटेंशन शिवलोक कॉलोनी फेस-3, खजूरी कलां रोड, तह. हुजूर जिला भोपाल से प्रकाशित। संपादक : नागेश नरवरिया (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल रहेगा।)